चित्रःगूगल से साभार

पानी

पानी खूब बचाइए, इसका नहीं विकल्प!

देर नहीं हो जाय कहीं, समय शेष है अल्प!!

अभी समय है जान लो, क्या पानी का मोल!

बाद समय पछताओगे, जान-समझ भूगोल!!

हर मानुष को चाहिए, होना पानीदार!

पानी सदा अतुल्य है, असल जीवनाधार!!

पानी है अनमोल यह, सदा राखिये याद!

जो न समझ पाता उसे, धर लेता अवसाद!!

आंखों में पानी नहीं, दिल में अगर न प्यार!

सरल जिंदगी में मिले, नफरत-कष्ट अपार!!

केशव सिंह

सेवानिवृत्त पुस्तकालयाध्यक्ष ,

केंद्रीय विद्यालय,गाजीपुर,उत्तर प्रदेश